गोरखपुर से लखनऊ की दूरी घटकर हो जाएगी 3 घंटे! 5876.67 करोड़ में बन रहा यह एक्सप्रेस वे, जानें रूट और मैप

Gorakhpur Link Expressway

gorakhpur to lucknow expressway

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर बनेंगे दो नए अंडरपास; निर्माण अप्रैल-मई 2024 तक पूरा होगा

जनवरी 2024: गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर खजनी तहसील के फरेनिया छतियारी और भीटा गांव के पास दो नए अंडरपास बनेंगे। एक्सप्रेसवे अब अप्रैल या मई 2024 तक पूरा हो जाएगा।

> **यह भी पढ़ें:** UPSSSC Group C Recruitment 2024: उत्तर प्रदेश में निकली सरकारी नौकरियां, 3446 पदों के लिए आवेदन शुरू

दो दर्जन गांवों के ग्रामीणों ने फरेनिया छतियारी के पास अंडरपास की मांग की और उनकी मांग मुख्यमंत्री तक पहुंची.

> **यह भी पढ़ें:** Shashank Singh IPL: गोरखपुर से शशांक ने मचाई धूम, बने IPL 2024 के Sixer King, जानें- इनके बारे में सब कुछ

सीएम के निर्देश के बाद यूपीडा ने तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा.

> **यह भी पढ़ें:** UP Board Results 2024 Live Updates: यूपी बोर्ड 10वीं और 12वीं के रिजल्ट जारी, देखें यहां, जानें- कैसे करें चेक

इन अंडरपास के निर्माण से तालपुर, गनेशपुर, भदरखास, बारीगांव, बनकटा और देवरी समेत करीब 20 गांवों की बड़ी आबादी को राहत मिलेगी।

एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य मार्च 2024 में पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन अंडरपास के कारण अब इसमें कुछ और समय लगेगा।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 91.35 किमी लंबा है और यह आजमगढ़ जिले के सतारपुर गांव में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ेगा।

लखनऊ का सफर पांच घंटे की जगह तीन से चार घंटे में पूरा होगा।

लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर और आज़मगढ़ के बीच आवाजाही को भी आसान और तेज़ बना देगा। गोरखपुर से आगरा और दिल्ली तक का सफर भी आसान हो जाएगा.

निर्माण की नियमित निगरानी एवं समीक्षा की जा रही है।

UPEIDA 91.35 किमी लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना को वित्त पोषित करता है, जो यूपी में 4-लेन, एक्सेस-नियंत्रित एक्सप्रेसवे है। एक्सप्रेसवे गोरखपुर के जैतपुर को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सतारपुर से जोड़ेगा, जिससे तेजी से आवागमन संभव हो सकेगा और यात्रा का समय 5 घंटे से भी कम हो जाएगा। भूमि लागत सहित इस परियोजना की कुल लागत 5876.67 करोड़ रुपये अनुमानित है। एक्सप्रेसवे का निर्माण फरवरी 2020 में शुरू हुआ और मार्च 2023 में समाप्त होने वाला है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के बारे में
91.352 किमी लंबा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे के विकास में एक और मील का पत्थर साबित होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने सांस्कृतिक और वाणिज्यिक मूल्यों को गोरखपुर से आज़मगढ़ और इसके विपरीत स्थानांतरित करने के लिए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बनाने का निर्णय लिया। एक्सप्रेसवे जैतपुर से शुरू होगा और सतारपुर पर समाप्त होगा, जिससे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तक त्वरित पहुंच मिल सकेगी।

राज्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2018 में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की घोषणा की, और भूमि अधिग्रहण 2019 में शुरू हुआ। अनुमोदित ग्रीनफील्ड परियोजना की लागत भूमि लागत सहित 5,876.67 करोड़ रुपये होगी।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे में 110 मीटर का ROW (राइट ऑफ वे) होगा। आस-पास के गांवों के निवासियों के लिए एक्सप्रेसवे तक पहुंच प्रदान करने के लिए, एक्सप्रेसवे के एक तरफ एक क्रमबद्ध कॉन्फ़िगरेशन में सर्विस रोड बनाई जाएगी। अंडरपास बनाए जाएंगे और एक्सप्रेसवे उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए दो स्थानों पर सार्वजनिक सुविधा सुविधाओं के निर्माण की भी योजना है।

लखनऊ से गोरखपुर तक इस गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के विकास के परिणामस्वरूप, यात्री 5 घंटे से भी कम समय में यात्रा पूरी कर सकते हैं। एक्सप्रेसवे लखनऊ, दिल्ली और आगरा से परेशानी मुक्त वाहनों की आवाजाही प्रदान करेगा। एक बार पूरा होने पर, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे बेहतर आवागमन अनुभव और त्वरित कनेक्शन प्रदान करेगा।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे निर्माण की प्रगति
उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, 91 किलोमीटर लंबा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे इस साल के अंत तक सार्वजनिक उपयोग के लिए खोलने की तैयारी है।

अगस्त 2023 तक, एक्सप्रेसवे पर 3/4 से अधिक काम पूरा हो चुका है। एक्सप्रेसवे गोरखपुर जिले के जैतपुर गाँव के पास से शुरू होगा और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पास आज़मगढ़ जिले के सतारपुर गाँव में समाप्त होगा।

यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने हाल ही में अपने एक्स (ट्विटर) आधिकारिक हैंडल पर साझा किया कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य अच्छी तरह से प्रगति कर रहा है।

25 अगस्त तक 79% काम पूरा हो गया
100% क्लीयरिंग और ग्रबिंग का काम
मिट्टी का काम 96 प्रतिशत पूरा हो चुका है
341 में से 331 संरचनाओं का निर्माण पहले ही किया जा चुका है
इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने रुपये आवंटित किए हैं। एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर औद्योगिक गलियारा बनाने के लिए 200 करोड़ रुपये।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे मुख्य विवरण
अनुमानित निर्माण लागत 5876.67 करोड़ रुपये है, और यह 1,095 हेक्टेयर (2,710 एकड़) भूमि पर बनाया गया है। इस परियोजना में पैदल यात्री अंडरपास, 2 टोल प्लाजा, 3 रैंप प्लाजा, 7 फ्लाईओवर, 7 प्रमुख पुल, 27 छोटे पुल, 16 वीयूपी (वाहन अंडरपास), 50 हल्के अंडरपास और 7 महत्वपूर्ण पुल शामिल होंगे।

अनुमानित लागत: 5876.67 करोड़ रुपये

एक्सप्रेसवे की लंबाई: 91.352 किलोमीटर

लेन की संख्या: 4 लेन, 6 लेन तक विस्तारित

अनुमानित यात्रा समय: 4:30 से 5:00 घंटे

परियोजना की स्थिति: निर्माणाधीन

पूर्ण होने की समय सीमा: मार्च 2022 (मार्च 2023 तक स्थगित)

परियोजना स्वामी: यूपीईआईडीए (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण)

प्रोजेक्ट मॉडल: ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण)

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की प्रगति
योगी आदित्य नाथ ने 2018 में गोरखपुर एक्सप्रेसवे की घोषणा की। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का विकास शुरू में मार्च 2022 में पूरा होने वाला था। हालांकि, महामारी और राष्ट्रीय लॉकडाउन के कारण राजमार्ग पर काम में देरी हुई। वर्तमान में इस मार्ग के मार्च 2023 में चालू होने की उम्मीद है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे मार्ग मानचित्र
एक्सप्रेसवे गोरखपुर जिले में गोरखपुर बाईपास (NH-27) पर जैतपुर से शुरू होगा और सतारपुर (जलालपुर के दक्षिण) में समाप्त होगा। यह आज़मगढ़ जिले में नव उद्घाटन किए गए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलेगा। यह उत्तर प्रदेश के जिलों आज़मगढ़, गोरखपुर, संत कबीर नगर और अम्बेडकर नगर से होकर गुज़रेगी।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे चरण
लखनऊ से गोरखपुर तक गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे परियोजना को दो चरणों में विभाजित किया गया है। इसे ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) मोड में लागू किया जाएगा।

चरण 1: एपीसीओ इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यान्वयन के पैकेज 1 के विकास का प्रभारी होगा, जो अंबेडकर नगर में जैतपुर से फुलवरिया तक 48.317 किलोमीटर की दूरी है।

चरण 2: गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का 43.035 किलोमीटर लंबा पैकेज 2, जो अंबेडकर नगर के फुलवरिया से आज़मगढ़ के सतारपुर तक चलेगा, दिलीपबिल्डकॉन द्वारा बनाया जाएगा।